अतारांकित प्रश्न संख्या 3550

15 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास

3550. श्री बी. विनोद कुमार:

कुमारी शोभा कारान्दलाजे:

श्री अर्जुन राम मेघवाल:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस्पात के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास संबंधी गतिविधियों के लिए फोरम के रूप में कोई भारतीय इस्पात अनुसंधान और प्रौद्योगिकी मिशन की स्थापना पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान इस्पात के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के लिए आबंटित/उपयोग की गई निधियों का पी एस यू -वार ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान इस्पात के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों का पी एस यू -वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा इस्पात के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास में निवेश बढ़ाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) और (ख): इस्पात मंत्रालय आर एण्ड डी की आवश्यकता को पूरा करने और इस्पात क्षेत्र में राष्ट्रीय संदर्भ के अनुसंधान कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने के लिए उद्योग संचालित स्टील रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी मिशन ऑफ इंडिया (एसआरटीएमआई) की स्थापना को सुगम बना रहा है। एसआरटीएमआई का गठन देश में इस्पात कंपनियों, इस्पात मंत्रालय, शैक्षणिक समुदाय और संबंधित आर एंड डी संस्थानों के बीच निकट सामंजस्य से एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में किया जाना प्रस्तावित है।

उपलब्ध सूचना के अनुसार पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष में इस्पात मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनियों द्वारा आर एंड डी पर उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा निम्नवत है:

इस्पात कंपनी	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15** (अप्रैल-सितम्बर)
सेल	142.00	156.00	121.00	82.00
आरआईएनएल	20.29	31.13	50.27	11.74

(ग): इस अवधि के दौरान उक्त कंपनियों द्वारा क्रियान्वित आर एंड डी कार्यक्रमों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई हैं, जिनमें अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल है:

- कच्ची सामग्रियों का उन्नयन
- प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी, उत्पादों और उत्पादकता में सुधार,
- नए उत्पादों का विकास और गुणवत्ता में सुधार, और
- ऊर्जा खपत और पर्यावरण प्रबंधन में सुधार।

(घ) इस्पात क्षेत्र में आर एंड डी बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किये गये उपाय निम्नवत है :-

- इस्पात मंत्रालय इस्पात विकास निधि(एसडीएफ) और योजना निधि से वित्तीय सहायता प्रदान करता रहा है।
- इस्पात मंत्रालय ने सितम्बर, 2011 में" भारतीय लोहा और इस्पात उद्योग के लिए अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी हेतु एक रोड मैप" प्रकाशित किया था, जिसका उद्देश्य भारतीय इस्पात उद्योग को आर एंड डी और प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के जरिए अपने प्रौद्योगिकीय स्वरूप में सुधार करने के लिए संवेदनशील बनाना है। रोडमैप में सिफारिश की गई है कि प्रमुख इस्पात कंपनियों को अपने आर एंड डी संबंधी निवेश को बढ़ाकर 12वीं पंचवर्षीय योजना (2016-17) की समाप्ति तक बिक्री कारोबार का 1 प्रतिशत और वर्ष 2020 तक 2 प्रतिशत करना चाहिए।
- 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए इस्पात उद्योग संबंधी कार्य समूह ने भी इस्पात कंपनियों द्वारा 12वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक आर एंड डी निवेश को बढ़ाकर कुल कारोबार का 1 प्रतिशत करने की सिफारिश की थी।
- इस्पात मंत्रालय ने भी देश में सभी मुख्य/बड़ी इस्पात कंपनियों को उपरोक्त सिफारिशों के अनुरूप अपने आर एंड डी निवेश को बढ़ाने की सलाह दी है।
- इस्पात मंत्रालय राष्ट्रीय महत्व के संयुक्त सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने के लिए एक नवीन और नवाचारी तंत्र यथा स्टील रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी मिशन ऑफ इंडिया के सृजन को सुगम बना रहा है, जिससे अन्य के साथ-साथ इस क्षेत्र में आर एंड डी निवेश में बढ़ोतरी होगी।

***